



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II I—एण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

५/१२५३
१४/१२५३

सं. ७] नई दिल्ली, भारतीय, विसम्बर १८, १९८२/ग्राहायण २७, १९०४

No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है कि जिससे कि यह अलग संकलन के लिए
रहा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीकण) अर्जन रेज, जयपुर आयकर
अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की बारा २६९ थ (१) के अधीन सूचना

जयपुर, २२ नवम्बर, १९८२

आवेदा संख्या : राज०/तह०आ० अर्ज०/१४४.—यतः मुझे भोग्न
सिंह आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की बारा २६९ थ के अधीन
संकलन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति,
जिसका उचित मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० हृषि सूचि
है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायद अनुदूतों में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख
३ मंग्य १९८२ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रत्यह प्रतिकल से अधिक है, और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवात में यात्रिक रूप
से कार्यालय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम,
१९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरक

के वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिसे
भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या
आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) या धन का
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जातिए, था, छिन्ने में
सुविधा के लिए,

यतः यह उक्त अधिनियम की बारा २६९ थ के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की बारा २६९ थ की उपाधा (१) के अधीन, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अवैत् :—

(१) श्री भोदा पुल श्री जगद्वाप निवास ग्राम विजयपुर
बास मानसुर तहसील व जिला जयपुर (अन्तरक)

(२) श्री शाहुर कर्नेल गोविन्द सिंहपुत्र स्व० जर्जल धर्म सिंह, शिवालया,
आतिपुरा रोड, जयपुर (प्रत्यक्तियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्णक सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्य-
धारियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन
की अवधि या तारुमानी अक्तियों पर सूचना की तारीख से
३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो,
के भावत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिवर्तित हैं, वही भ्रम्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूल सूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विजयपुरा बास नानसुर तहसील एवं जिला जयपुर जो उप पंचायत, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 423 विनांक 3 मार्च, 1982 पर पंजीबद्ध दिक्षण पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

तारीख 22-11-82

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

Office of the I.A.C. Acquisition Range, Jaipur.
Notice under Section 269D(I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Jaipur, the 22nd November, 1982

No. Re. (IAC|Acq.)1444.—Whereas, I to Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Act, 1908 (16 of 1908) in the Office parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhinwa S/o Shri Jagannath (Transferor)
R/o Vijaypura Bas, Nanusar,
Teh. & Distt, Jaipur.
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o (Transferee)
Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building,
Khatipura Road, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agri. Land situated at Village Vijaypura Bas, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide Nos. 422 and 423 dated 3-3-82.

Dated : 22-11-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (I) के अधीन सूचना

आवेदा संख्या : रोम०/सहा० आ० अ०/१४४५ ।—यह: मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब (के अधीन संखाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावश अनुसूची में और पूर्ण रूप में दिया गया है) रजिस्ट्रेशनी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3 मार्च, 1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरक्तों अन्तरिक्तीं (अन्तरिक्तियों) के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अनिवार्य था, इसके द्वारा उक्त अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के विविध रूप में कार्रवाई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं प्रत्यक्षरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अनिवार्य था, इसपाने में सुविधा के लिए;

परत: यह उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आवृत्त :—

(1) श्री इंद्रा पुत्र श्री जगप्राथ निवासी ग्राम विजयपुरा बास नानसुर तहसील व जिला जयपुर (प्रत्यक्षरक्त)

(2) श्री ठाकुर कर्णल गोविन्द सिंह पुत्र स्व० जर्नल र्म० सिंह शिवलाला, कर्णल रोड, जातीपुरा, जयपुर (प्रत्यक्षरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीयां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मस्वन्ध में कोई भी भावना—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी आय व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम विजयपुरा बास नानुसार तहसील व ज़िला जयपुर में स्थित कृषि भूमि जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 42.2 विनांक 3-3-8-2 पर पंजिबद्ध विकल्प पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under section 269D (I) of the Income tax Act, 1961
(43 of 1961)

Ref. No. : Rej/IAC(Acq.)/1445.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri.land. situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jhuta S/o Shri Jagannath, (Transferor)
R/o Vijaypura Bas, Nanusar,
Teh. & Distt. Jaipur.
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o (Transferee)
Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building,
Khatipura Road, Jaipur

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDELE

Agri. Land Situated at village Vijaypura Bas, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered S. R. Jaipur vide Nos. 422 & 423 dated 3-3-1982.

Date: 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

आवेदन संख्या : राज.0/सहा. ० आ० अर्जन/1446.—यह: मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है) कि स्वावर सम्पत्ति, जिस का उचित मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इससे उपचाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशार्य अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ,

यह: यह उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अधीनत:—

- (1) श्री हरीश कुमार चौधरी एवं श्री किशोरीलाल चौधरी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पार्वति देवी पत्नी श्री नरेंद्र किशोर सरसेना, बी-2, भगल सिंह मार्ग, जयपुर। (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंदोलन—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तत्सम्बन्धीय अवक्षियों पर सूचना की तारीख से, 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवधि द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवदा किसी अन्य अवक्षिय द्वारा, आंदोलनात्मकों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विश्वासाला तहसील जयपुर जा उप पाइवक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 736 विनांक 16-3-8-2 पर पंजियक विकल्प पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Choith Ram S/o Shri Bachchumal, R/O 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 situated at Chokari Hawali Shahar Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 724 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन धूम्रधारा

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्ज०/1448.— यतः मुझे भोग्न तिह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सम्म ब्राह्मिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ५० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायक भन्नस्त्रो में और पूर्ण रूप से वंचित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्त के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्चमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्चमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त, अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को भारतीय द्राप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), या धन कर अधिक 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा, नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः इब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसारण में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अयति :—

(1) श्री चन्द्र कुमार पुल श्री बद्रमल निवासी 376, आर्द्ध नगर, जयपुर (अन्तरक)।

(2) श्री शिष्मुल कपूर पुल श्री एम० के० कपूर संरक्षिका श्रीमती अलका कपूर निवासी बी-५, एम० कालोनी, जयपुर (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है। उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजात्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्याक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर बौकड़ी तृष्णाली शहर मिजां इस्माईल रोड, सर्वती मार्ग, में ब्लाट नं० ५०, जयपुर जो उप विजियक, जयपुर द्वारा अम संख्या 725 दिनांक 16-3-82 पर विजिय विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Ref.IAC (Acq.)1448.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandra Kumar S/o Shri Bachchumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawall Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 725 dated 16-3-1982.

Date : 12-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के अधीन सूचना

आवेदा संख्या : राज.०/सहा० आ० अर्जन/1449—यह सूचना जो भौतिक सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269य के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० प्लाट न० ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायक अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के अद्वैत प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्तप्रय से उक्तसे अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) मान्यता से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के आयित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य आस्तियों को जिसे हार्दिक आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए ;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269 य के मान्यता से उक्त अधिनियम की धारा 269-य को उपचार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति—

(1) श्री नव लाल पुल श्री बज्जूमल निवासी 376, प्रादर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती अलका फूर पर्मपत्नी श्री एम० के० फूर निवासी बी-5, न्यू कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक या न्यूमैट्री अधिनियम पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्तात्तरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मर्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20 के में परिचापित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर शहर जोकड़ी हवाली शहर, मिर्जा इस्माईल शेह, सरस्वती मार्ग, जयपुर में एक प्लाट न० ए० जोत उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम सम्भा 726 विनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में भार विस्तृत रूप से विवरित है।

तारीख : 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Ref/IAC (Acq.)/1449.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376,
Adarsh Nagar, Jaipur (Transferee)

(2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor,
R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 726 dated 16-3-1982.

Date.—22-11-1982.

आयकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घोरा 26 अप्रैल सुन्नता

आवेदा संघर्षा - राजा/सहा०सा०र्जन/1450—यतः मृष्टे, मोहन
मिह, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) जिसे (इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वाँ के अधीन
सहम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित् मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
प्लाट न० द० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद शनु-
मूची में ग्रोर पूर्ण रूप से थिए हैं) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्णतः पापाले के उचित् बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भुक्त की गई है और इसे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित् बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रालक्षण के पश्चात् प्रतिफल
से अधिक है, और अन्तर्भुक्त (अन्तर्भुक्तों) और अन्तर्भुक्ती (अन्तर्भुक्तियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, गिर्जालियिं उहैये
से उक्त अन्तरण निश्चित में यान्त्रिक स्वयं से किया नहीं गया
है :--

(क) अन्तरराष्ट्रीय गो बूझी किसी प्राया की यात्रा, ग्राम्यका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराय के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर: या

(ख) ऐसी किसी पाप या फिर उन या उन आमदान को जिन्हे भारतीय शास्त्र-कर्म अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीकान्वय अन्वेषी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा लिया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260 गे प्रा. १० में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वीं की उल्लंगण (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याप्त :-

(1) श्री वासुमल पुत्र श्री वसुमन निवासी 376, शाहदर नगर
जयपुर । (अन्तर्रक)

(2) श्रीमती भ्रताका कपूर धर्मपत्नी श्री एम० के० कपूर निवासी
श्री-5, न्यू कालोनी, जयपुर । (आस्तरिक)

को यह सूचना आयी करके पूर्णक सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्ड-बाहिया करता हूँ। उक्त समाचार के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रश्नावत की जारीत में 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी अवधियों पर सूचना की तात्पूरत से 30 दिन की अवधि, जो भी यद्यपि वायर में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोन्नत अवितर्यों में से कितों अवैत द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रश्नावत हां जारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किती अन्य अवक्षित तात्प स्थावरस्थानी के पात्र लिखित से किये जा सकें ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रधृत शब्दों भी नहीं थे, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ब्रह्माय 20 रुपये पर्याप्त है, वही अर्थ होगा या जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्त्र ३

जयपुर नगर बोकड़ी हुगारो ग्यार मिर्ज़ा ईम्पाहेन राड, मरस्वता मार्ग, जयपुर में एक स्लाइन नं. १० जो उप प्रजेक्ट, जयपुर द्वारा किया सक्या 727 विलास 16-3-82 पर प्रजेक्ट विक्र पन्न में सोर रिस्तू रा से विवरणित है।

सारीष २२-११-८२

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Ref. No. Raj/IAC(440)/1450.—Whereas, I Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vasumal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)

(2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o P-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 727 dated 16-3-1982.

Dated.—22-11-1982.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 अं (I) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज्य/सहा/आ०अंजेन/1451.—यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269 अं (I) के अधीन संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसका प्लाट नं. १० ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इसके उपर अन्तर्गत अन्तर्गत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के उचित, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबत मूल्य के बाबत के वृद्ध्यान्त प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबत मूल्य, उसके वृद्ध्यान्त प्रतिकल से, ऐसे वृद्ध्यान्त प्रतिकल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास में आसाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगात्मक अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदित्य या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मग्न उक्त अधिनियम की धारा 269 अं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 अं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अधितः :—

(1) श्री कर्म्मा लाल पुत्र श्री वर्जुन निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम.के. कपूर संग्रहिका श्रीमती प्रलक्षा कपूर, बी-५, न्यू. कलानी, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त 'होती हो', के बीतर पूर्वोक्त अक्तियों में से किसी वर्तक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अधिक अक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वास में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधायाम 20 के परिमाणित है, यहो अर्थ होगा जो उस प्रधायाम में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर बौकड़ी हवाली शहर, मिर्जा इस्माइल रोड, सरस्वती मार्ग, जयपुर में एक प्लाट नं. १० ए. जो उप पंजियक के, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 728 विनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विक्षुल रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Re: No. Raj/IAC(Acq.)/1451.—Whereas, I, Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhiya Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor, S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. A, situated at Hawali Shahar, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 728 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-82.

(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

आवेदा संलेख राज०/सहा०/वा० अंक०/1452.—यह: महो मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० १० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर के बायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के लिये, और या

(ख) ऐसी किसी भाय का किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिसमें आर्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तथा किशा जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

शब्द: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उगाचा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधोरु :—

- (1) संतानदेवी पत्नि बच्चुमल, 376, आदर्शनगर, जयपुर (अस्तरक)
- (2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम. के. कपूर, मरकिका श्रीमति श्रेष्ठका कपूर, वी०-५, न्यू कालोनी, जयपुर (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवालियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तारंबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30

दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्बन्ध में दिल्ली हिन्दू अदायकता, अधारमसारी के नाम लिखित में लिखे जा सकेंगे।

संपर्ककरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आनंदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) के अन्तर्गत 20 के में परिभाषित हैं, वहीं इसमें होता जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० १०, सरस्थी नार्ग, एम०आर० रोड, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 729 दिनांक 16 मार्च, 82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq.)/1452.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sita Devi W/o Shri Bachchumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, through gardian Smt. Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

जायपुर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 296 घ (1)
के अधीन सूचना

आदेश संख्या राजा/तहा० आ०/अर्जन/1454 :—यत् मुझे भोहन सिंह जायपुर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि दयावालोंका सम्पर्क का उचित बाजार भूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की आवत, आयपुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी हरने या उससे बचने में सुविधा के लिये और या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आग्रहीय आयपुर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयपुर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, जिसमें सुविधा के लिये;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अस्ति, —

(1) श्री सत्यनारायण मिश्र पुत्र श्री राजेन्द्र शंकर, सी०-१९, छठा मार्ग, सी०-स्कॉप, जयपुर (१-१८८)

(2) श्रीमती मनम फवर फलो श्री लाल मिह, सी०-२४, बापूनगर, जयपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जर्जी करके पूर्वोक्त सम्पर्क के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना त। उक्त रापति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप्रय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पद्धति - तिथि तर तक सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, या या अवधि बाद में समाप्त होती हो, क भावन पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ये हिन्दवद्व दिनों अन्य अस्ति द्वारा, अधोलिताक्षरी के पास निर्वित में किये जा गकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्राप्त कानूनों और पदों का, जो आयपुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अव्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर, टौक फाटक, रामपुरा रूप में मकान सम्पत्ति में हिस्सा जो उप पंजीयक, अयपुर बारा क्रम संख्या 576 तिथि 15-3-82 पर पंजीयन विक्रय पक्ष में और विस्तृत रूप विवरित है।
तारीख 22-11-82

मोहन सिंह, लक्ष्म आविकारी, जहाजक आयुक्त आयपुर (निरोक्त), अर्जन रेज, जयपुर

Notice Under Section 269 D (1) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq)/1454.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satyanarain Mishra S/o Shri Rajendra Shanker C-19, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shrimati Magan Kanwar W/o Shri Lal Singh C-28, Bapu Nagar, Jaipur, (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House situated in Bapu Nagar, Rampura, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 576 dated 15-3-1982.

Date : 22-11-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.